संगम Impact Factor : 4.553 Website : www.ginajournal.com ISSN : 2321-8037
SANGAM
A Peer Reviewed International Refereed Journal विशेषांक–समकालीन हिन्दी साहित्य और विमर्श Vol. 11, Issue 4
गीना देवी शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित साहित्य, शिक्षा, संस्कृति एवं शोध को समर्पित मासिक

Page: 1-2

संपादकीय

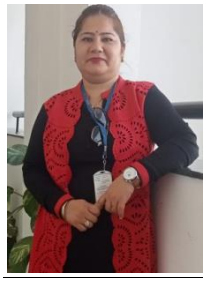

यह हमारे लिए अत्यंत गौरवान्वित होने का विषय है कि राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज एवं गीना देवी शोध संस्थान, भिवानी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''समकालीन हिन्दी साहित्य एवं विमर्श'' इस विषय पर 24 अप्रैल 2023 को संपन्न हुआ। प्रस्तुत संगोष्ठी में देश–विदेश के सभी हिन्दी साहित्यकारों, विद्वतजनों, हिन्दी प्रेमियों, विद्वानों, शोधार्थियों व अनुसंधानकर्ता ने संगोष्ठी के उपविषयों से संबंधित अपने शोधालेखों में निहित विचारों से हमको अवगत कराया। प्रस्तुत संगोष्ठी ने हमें विभिन्न विमर्शों को समझने हेतु हमें नवीन दृष्टि व नवीन आदर्श प्रदान किए तथा हमारा मार्गदर्शन किया।

समकालीन हिन्दी साहित्य जो ध्येय लेकर चला है उसमें मानव जीवन की विभिन्न समस्याओं विशेषतः दलित, किन्नर, नारी और आदिवासी वर्ग की समस्याओं, संघर्षों व उनके विद्रोह की अभिव्यक्ति करते हुए यह संगोष्ठी अपने ध्येय को प्राप्त करने में पूर्णतः सफल रही।

अंत में मैं इस संगोष्ठी हेतु महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीतू चावला जी का धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ जिनकी अनुमति के अभाव में यह संगोष्ठी कार्य असंभव नहीं होता। मैं गीना देवी शोध संस्थान के सचिव डॉ. नरेश सिहाग जी को भी हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ कि उन्होंने हमें यह सुअवसर प्रदान किया तथा 'संगम' पत्रिका को संगोष्ठी विशेषांक के रूप में

प्रकाशित करने हमें अनुगृहीत किया। साथ ही संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु वक्ताओं व शोधार्थियों का भी मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

सधन्यवाद

डॉ. अंशु बत्रा
सहायक प्राध्यापक,
राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज, गाज़ियाबाद